हनुमान जी आप बजरंग बली महावीर

हनुमान जी आप बजरंग बली महावीर ||टेर||

भक्तजनों का काज सारिया,
जब जब पडी भक्तों पर भीर ||1||

चारों जुगां मैँ विचरण करता,
आपरो अजर अमर शरीर ||2||

संजीवनी कारण धौलागिरी धर लायो,
जब लाग्यो लक्षमण रे तीर ||3||

कर कमल में गदा धारी,
जडीया मोती नवलख हीर ||4||

मंगल शनि तो दिन आपरे,
तेल सिँदूर शोभे शरीर ||5||

माता सिया का पता लगाया,
श्रीराम को बंधाई धीर ||6||

पवनपुत श्रीराम के दुत,
आप उडता संग समीर ||7||

रमेश राँगी आपरो जस गावे,
दिज्यो सुख संपत अरु सीर ||8||

https://www.bhajanganga.com/bhajan/lyrics/id/435/title/hanumaan-ji-aap-bajrang-bali-mahaveer

अपने Android मोबाइल पर BhajanGanga App डाउनलोड करें और भजनों का आनंद ले |